भारत सरकार
कारपोरेट कार्य मंत्रालय

लोकसभा
अतारांकित प्रश्न संख्या. 353
(सोमवार, 2 फरवरी, 2026/13 माघ, 1947 (शक) को उत्तर के लिए)

पीएम इंटर्नशिप योजना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव

353. श्री वी. वैथिलिंगमः

क्या **कारपोरेट कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार यह स्वीकार करती है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ऑटोमेशन पारंपरिक भूमिकाओं के लिए मांग को कम कर रहे हैं और इंजीनियरिंग स्नातकों के लिए पारंपरिक करियर की सीढ़ी को बाधित कर रहे हैं, जिससे इंटर्नशिप योजना विशेष रूप से सामयिक हो गई है;
(ख) यदि हाँ, तो एआई-सक्षम कार्यबल के संदर्भ में युवाओं की इंटर्नशिप योजना में भागीदारी का विस्तार करने, अनुभव की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और परिणामों पर नज़र रखने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है; और
(ग) इंटर्नशिप के रोजगार में परिवर्तन की निगरानी करने, एआई-युग के प्रशिक्षण के प्रभाव का मूल्यांकन करने और उभरते प्रौद्योगिकी रुझानों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए योजना के विस्तार हेतु सरकार द्वारा क्या प्रस्तावित नीतिगत ढांचा है?

उत्तर

कारपोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री।

(श्री हर्ष मल्होत्रा)

(क) एवं (ख): प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) की पायलट परियोजना युवाओं को विभिन्न व्यवसायों अथवा संगठनों के वास्तविक कार्य-परिवेश में प्रशिक्षण प्राप्त करने तथा अनुभव एवं कौशल अर्जित करने का अवसर प्रदान करती है, जिसका उद्देश्य अकादमिक ज्ञान और उद्योग जगत की आवश्यकताओं के बीच की खाई को पाटकर उनकी रोजगारयोग्यता में वृद्धि करना है। बारह महीने की इंटर्नशिप अवधि में से कम से कम आधी अवधि वास्तविक कार्यानुभव/कार्य परिवेश में व्यतीत की जानी होती है।

पीएमआईएस पायलट परियोजना की भागीदार कंपनियाँ विमानन एवं रक्षा, ऑटोमोबाइल, बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएँ, रासायनिक उद्योग, परामर्श सेवाएँ, सूचना प्रौद्योगिकी एवं सॉफ्टवेयर विकास, स्वास्थ्य सेवा, अवसंरचना एवं निर्माण, धातु एवं खनन, तेल, गैस एवं ऊर्जा जैसे विविध क्षेत्रों को सम्मिलित करती हैं तथा बिक्री, लेखांकन, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन, प्रक्रिया सहयोगी, विनिर्माण सहयोगी, संयंत्र संचालन तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित विभिन्न भूमिकाओं को भी शामिल करती हैं।

योजना में युवाओं की भागीदारी का विस्तार करने हेतु मंत्रालय द्वारा राज्य सरकारों, शैक्षणिक संस्थानों तथा उद्योग संघों के साथ सक्रिय सहयोग करते हुए योजना के कार्यान्वयन एवं प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न उपाय किए गए हैं। राज्य नोडल विभागों के सहयोग से देश के विभिन्न जिलों में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, पॉलिटेक्निकों तथा स्नातक महाविद्यालयों में जागरूकता अभियानों का संचालन किया गया। कार्यक्रम की दृश्यता बढ़ाने तथा राज्य के विभिन्न जिलों में लक्षित समूहों तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए कार्यशालाओं, संगोष्ठियों तथा प्रचार अभियानों सहित शिक्षा एवं संचार गतिविधियाँ, ऑनलाइन तथा स्थल-आधारित दोनों रूपों में, संचालित की गईं।

(ग): पीएमआईएस का उद्देश्य भारत की शीर्ष प्रदर्शनकारी कंपनियों एवं संस्थानों में स्ट्रक्चर्ड इंटर्नशिप के माध्यम से उद्योग-संगत कौशल का संवर्धन करना, कार्य-तत्परता में सुधार लाना तथा व्यावसायिक अनुभव को प्रोत्साहित करना है, ताकि रोजगार-तत्पर एवं कुशल कार्यबल का सृजन किया जा सके। यह योजना नियुक्ति प्रस्ताव प्रदान करने के लिए अभिकल्पित नहीं है।

*****